

सुखना वन्यजीव अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने हरियाणा की ओर सुखना वन्यजीव अभयारण्य के आस-पास 1,000 मीटर के क्षेत्र को **इको-सेंसिटिवि जोन (ESZ)** के रूप में चिह्नित करने के हरियाणा सरकार के प्रस्ताव को खारजि कर दिया है। एक मसौदा अधिसूचना, जिसमें हरियाणा की ओर सुखना वन्यजीव अभयारण्य के आसपास 1 किलोमीटर से 2.035 किलोमीटर तक के क्षेत्र को ESZ के रूप में सीमांकित किया गया है।

■ मुख्य बंदि:

- 25.98 वर्ग किलोमीटर (लगभग 6420 एकड़) में फैला सुखना वन्यजीव अभयारण्य, केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासनिक नियंत्रण में है और इसकी सीमाएँ हरियाणा एवं पंजाब से लगती हैं।
- अभयारण्य **शवालिकि तलहटी** में स्थित है, जिसे पारस्थितिक रूप से संवेदनशील और भूवैज्ञानिक रूप से अस्थिर माना जाता है।
- यह वन्यजीव अधिनियम, 1972 की कम-से-कम सात अनुसूची 1 पशु प्रजातियों का आवास स्थल है, जिनमें **तेंदुआ, भारतीय पैंगोलिन, सांभर, गोलडन जैकल, कगि कोबरा, अजगर और मॉन्टर लजार्ड** शामिल हैं।
 - **अनुसूची 1** की प्रजातियों को लुप्तप्राय माना जाता है और उन्हें तत्काल सुरक्षा की आवश्यकता है।
- इसके अलावा, अभयारण्य में **अनुसूची 2** की पशु प्रजातियों जैसे सरीसृप, ततिलियाँ, पेड़, झाड़ियाँ, पर्वतारोही, जड़ी-बूटियाँ और 250 पक्षी प्रजातियाँ हैं।

